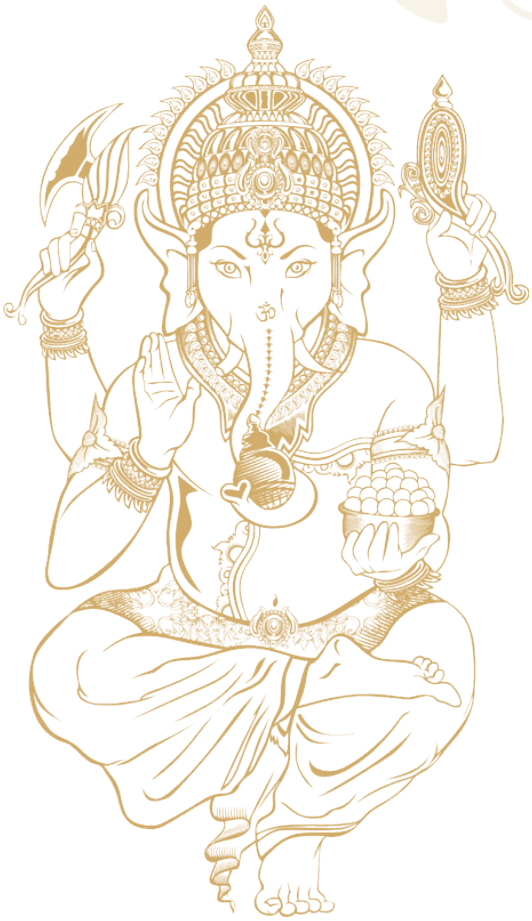

Mr.ROSHAN THAKUR

01 Jul 1999

06:45 PM

Simla

Model: Varshphal-2017

Order No: 119836401

तिथि 01/07/1999 **समय** 18:45:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Simla **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:50:48
अक्षांश 31:06:00 उत्तर **रेखांश** 77:10:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:20 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	13:00:17 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:03:43 घं	योनि	वानर
सूर्योदय	05:20:59 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	19:28:59 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2056	वश्य	जलचर
शक संवत	1921	वर्ग	मार्जार
मास	आषाढ़	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	भूमि
तिथि	3	जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
नक्षत्र	श्रवण	पाया(रा.-न.)	रजत-ताम्र
योग	विष्कुम्भ	होरा	शनि
करण	विष्टि	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 11मा 4दि
राहु
05/06/2012
05/06/2030

राहु	16/02/2015
गुरु	11/07/2017
शनि	17/05/2020
बुध	05/12/2022
केतु	23/12/2023
शुक्र	23/12/2026
सूर्य	17/11/2027
चन्द्र	18/05/2029
मंगल	05/06/2030

योगिनी
मंगला 0वर्ष 7मा 3दि
सिद्धा
03/02/2020
03/02/2027

सिद्धा	14/06/2021
संकटा	03/01/2023
मंगला	15/03/2023
पिंगला	04/08/2023
धान्या	04/03/2024
भ्रामरी	13/12/2024
भद्रिका	03/12/2025
उल्का	03/02/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			06:04:04	धनु	मूल	2	केतु	राहु	---	0:00			
सूर्य			15:25:38	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	शुक्र	सम राशि	1.61	मातृ	पितृ	विपत
चंद्र			15:25:40	मक	श्रवण	2	चंद्र	गुरु	सम राशि	1.20	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल			05:00:37	तुला	चित्रा	4	मंगल	सूर्य	सम राशि	1.38	कलत्र	भ्रातृ	सम्पत
बुध			10:47:19	कर्क	पुष्य	3	शनि	सूर्य	शत्रु राशि	1.02	पुत्र	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			06:38:43	मेष	अश्विनी	2	केतु	राहु	मित्र राशि	1.22	ज्ञाति	धन	वध
शुक्र			28:57:36	कर्क	आश्लेषा	4	बुध	शनि	शत्रु राशि	1.20	आत्मा	कलत्र	साधक
शनि			20:25:26	मेष	भरणी	3	शुक्र	गुरु	नीच राशि	1.26	अमात्य	आयु	मित्र
राहु		व	19:20:55	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	शुक्र	शत्रु राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु		व	19:20:55	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	शत्रु राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

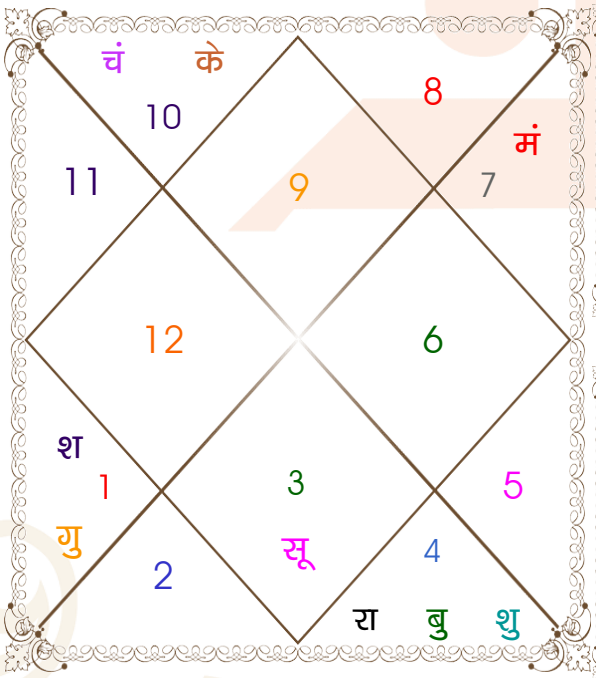

चन्द्र कुंडली

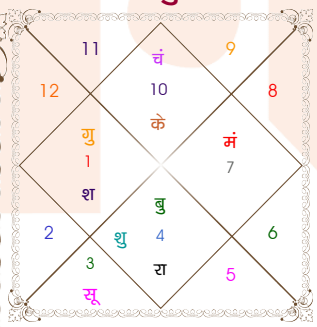

नवमांश कुंडली

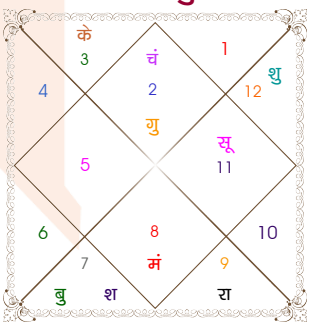

सर्वाष्टकवर्ग

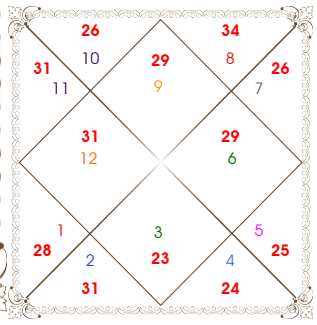

दशमांश कुंडली

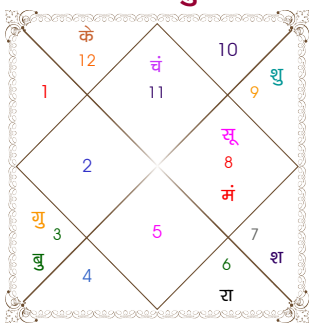

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता तथा परेशानी से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी मध्यम ही रहेगी तथा समय समय पर मन में अशान्ति तथा व्याकुलता बनी रहेगी। मित्र एवं संबंधियों से इस वर्ष आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे अल्प मात्रा में ही लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी वे सामान्य उन्नति करेंगे फलतः उनसे आप चिन्तित तथा परेशान रहेंगे। इस समय भाग्यबल की भी अल्पता रहेगी अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष से सफल होंगे।साथ ही मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में पूर्ण होंगे तथा सुख संसाधनों की भी आपको न्यूनाधिक प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में परिश्रम पूर्वक आपको उन्नति प्राप्त होगी साथ ही यदा कदा समस्याएं भी रहेगी तथा लाभ मार्ग में भी रूकावटें आएंगी। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट नहीं रहेंगे अतः इनकी आपको उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी न्यूनता रहेगी। अतः ऐसे समय में सोच समझकर अपने कार्यो कलापों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आपके मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता बनी रहेगी। शत्रु वर्ग से आप इस समय भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अतः शत्रु पक्ष से आपको सावधान रहना चाहिए। इस समय आपके रूके हुए कार्य भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे साथ ही आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में ही परिश्रम पूर्वक धनार्जन होगा लेकिन यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको धनाभाव संबधी परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही रक्त विकार संबधी कष्ट की संभावना भी रहेगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष विशेष अनुकूल नहीं रहेगा तथा कार्यक्षेत्र संबधी परेशानी रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। फलतः व्यापार से आपको चिन्ता रहेगी। नौकरी तथा राजनीति में भी पदोन्नति संबधी समस्याएं रहेंगी तथा इससे अनावश्यक विलम्ब एवं व्यवधान उत्पन्न होंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में परशानी रहेगी। अतः ऐसी स्थिति में आपको धैर्य एवं संयमपूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

प्रथम मास

01/07/2025 10:41:10 से 01/08/2025 21:03:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:23:24
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	15:25:38
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:35:14
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:40:47
बुध		कर्क	पुष्य	11:07:53
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	10:39:05
शुक्र		वृष	कृतिका	02:01:20
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:36:02
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:50:50
केतु		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:50:50
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	06:04:04

मासाधिपति

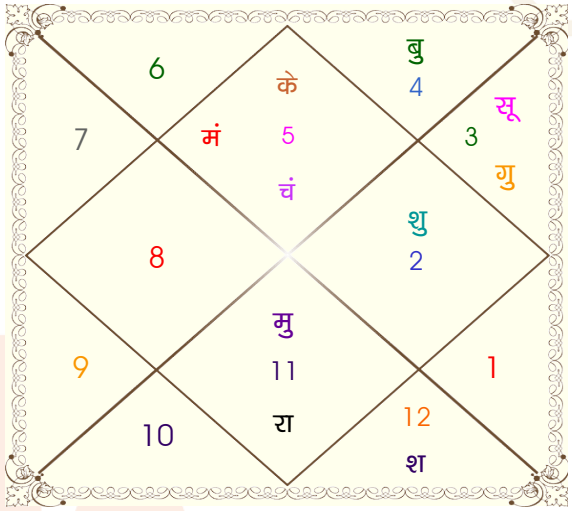

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वितीय मास

01/08/2025 21:03:08 से 02/09/2025 01:41:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:29:35
सूर्य		कर्क	पुष्य	15:25:38
चन्द्र		तुला	स्वाति	16:43:45
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:29:05
बुध	व	कर्क	पुष्य	14:18:28
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	17:38:09
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	07:30:05
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:24:10
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:51:18
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:51:18
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	08:34:04

मासाधिपति

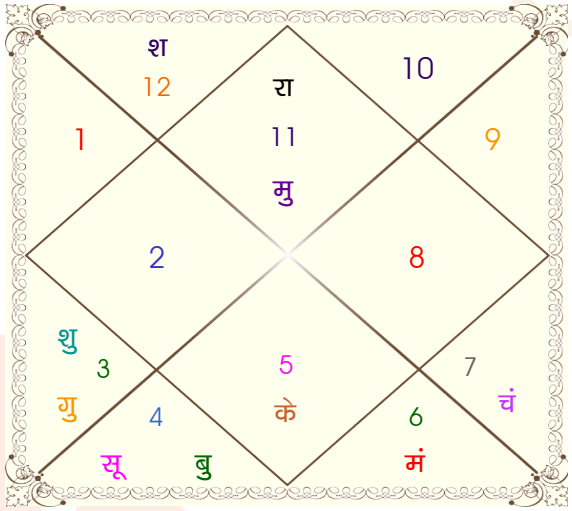

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुखदायक एवं आनंदवर्द्धक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं का नाश होगा तथा लाभमार्ग भी नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आर्थिक रूप से आप पूर्ण सुदृढ़ रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे।साथ ही समाजिक जनों से आप पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। यह मास आपकी भाग्योन्नति में भी सहायक रहेगा तथा कई ऐसे शुभ कार्य जो समय से सिद्ध न हो रहे हों इस समय सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से संबन्धों में मधुरता बढ़ेगी तथा सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता मिलेगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप अनुकूल सहयोग होता रहेगा।

साथ ही आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा सुख पूर्वक मास को व्यतीत करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तृतीय मास

02/09/2025 01:41:13 से 02/10/2025 19:42:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	20:19:36
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:25:38
चन्द्र		धनु	मूल	02:56:25
मंगल		कन्या	हस्त	22:14:35
बुध		सिंह	मघा	04:25:11
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:48:22
शुक्र		कर्क	पुष्य	14:21:09
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:44:53
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:10:21
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:10:21
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	11:04:04

मासाधिपति

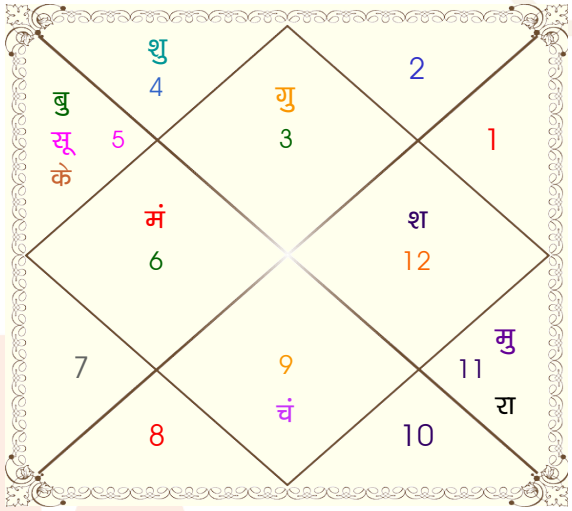

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

चतुर्थ मास

02/10/2025 19:42:31 से 02/11/2025 01:16:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	20:09:02
सूर्य		कन्या	हस्त	15:25:38
चन्द्र		मकर	श्रवण	15:41:26
मंगल		तुला	स्वाति	12:43:56
बुध		कन्या	चित्रा	29:28:42
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:26:13
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:48:49
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:25:14
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:59:10
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:59:10
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	13:34:04

मासाधिपति

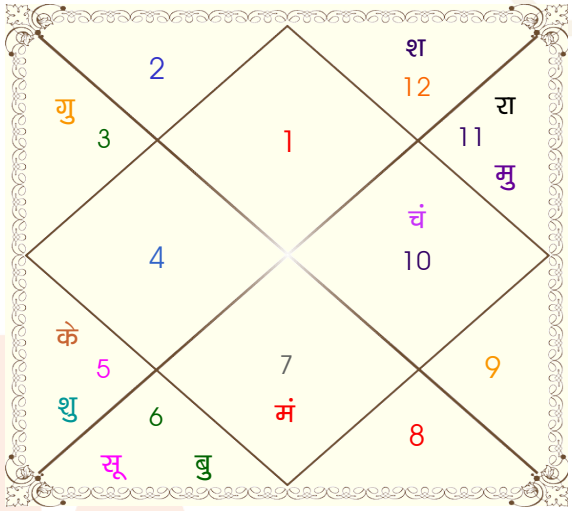

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पंचम् मास
02/11/2025 01:16:16 से 01/12/2025 19:53:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	05:48:08
सूर्य		तुला	स्वाति	15:25:38
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:01:17
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	03:50:16
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	08:54:26
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:46:25
शुक्र		कन्या	चित्रा	29:22:32
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:32:26
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:49:53
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:49:53
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	16:04:04

मासाधिपति

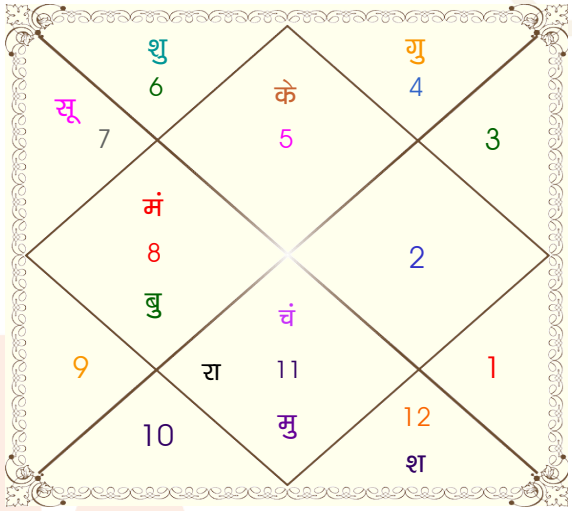

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

षष्ठ मास

01/12/2025 19:53:04 से 31/12/2025 07:49:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	22:24:28
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	15:25:38
चन्द्र		मीन	रेवती	27:54:54
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:31:10
बुध		तुला	विशाखा	26:47:03
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:16:34
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	06:43:53
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:56:53
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:02:02
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:02:02
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	18:34:04

मासाधिपति

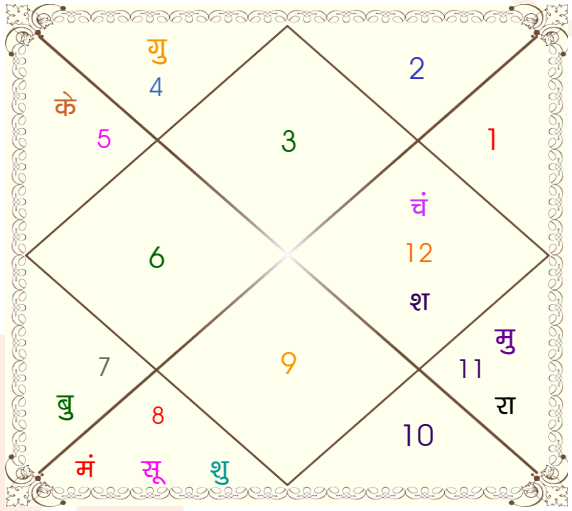

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप मात्रा में लाभार्जन करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय से सम्पन्न हो जाएंगे। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य शीघ्र सम्पन्न होते रहेंगे। आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी करेंगे।साथ ही उच्चाधिकारियों से मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों से अत्यंत ही मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण मास विविध प्रकार के सुखों को उपभोग करते हुए व्यतीत करेंगे तथा समाज से यश भी अर्जित करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सप्तम् मास
31/12/2025 07:49:46 से 29/01/2026 18:59:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:50:57
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:25:38
चन्द्र		मेष	कृतिका	29:02:32
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:46:30
बुध		धनु	मूल	03:03:19
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:15:12
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:50:56
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:53:37
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:51:15
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:51:15
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:04:04

मासाधिपति

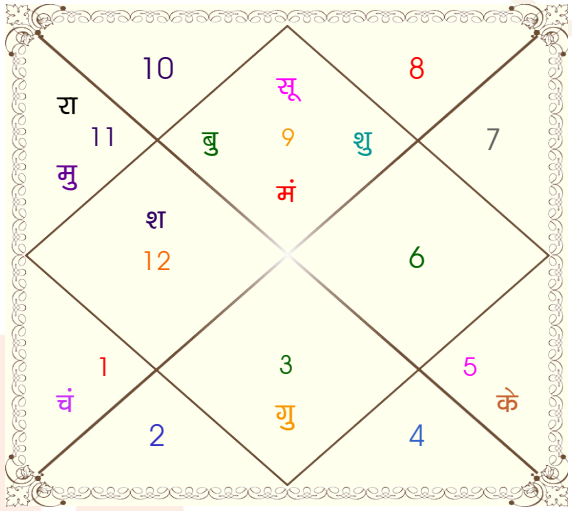

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टम् मास
29/01/2026 18:59:46 से 28/02/2026 11:27:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	00:09:28
सूर्य		मकर	श्रवण	15:25:38
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	00:17:32
मंगल		मकर	श्रवण	10:35:52
बुध		मकर	श्रवण	20:57:42
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:24:54
शुक्र		मकर	श्रवण	20:53:43
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:10:49
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:03:53
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:03:53
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:34:04

मासाधिपति

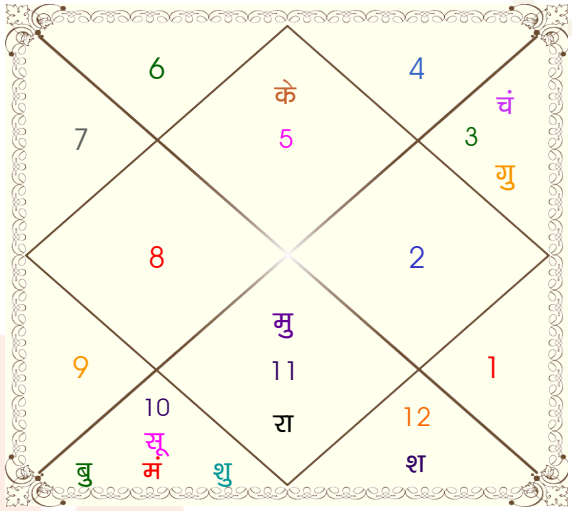

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नवम् मास

28/02/2026 11:27:38 से 30/03/2026 14:02:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	16:08:51
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	15:25:38
चन्द्र		कर्क	पुष्य	04:25:43
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	03:55:38
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:01:42
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:03:25
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:03:11
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:24:37
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:29
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:29
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:04:04

मासाधिपति

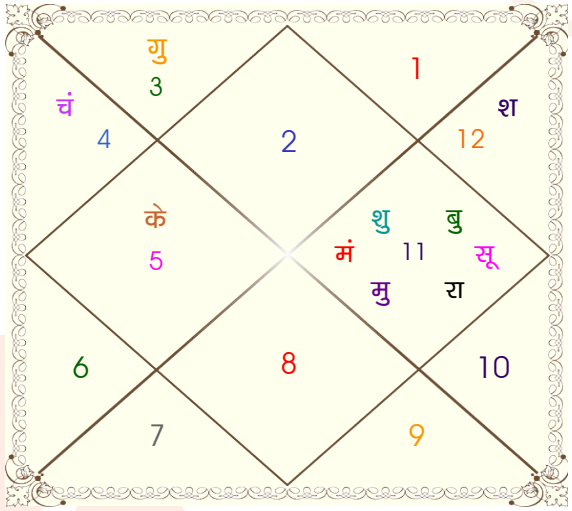

मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे जिससे आप पदोन्नति या विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते है। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनके परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस मास सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः मन से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता एवं श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे तथा आपको हार्दिक आदर प्रदान करेंगे। आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा एवं अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं।साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप समस्त भौतिक सुख अर्जित करके प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

दशम् मास
30/03/2026 14:02:03 से 30/04/2026 05:00:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	17:07:30
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	15:25:38
चन्द्र		सिंह	मघा	12:54:56
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:36:21
बुध		कुम्भ	शतभिषा	18:09:29
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:27:08
शुक्र		मेष	अश्विनी	05:23:27
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:07:03
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:34:11
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:34:11
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:34:04

मासाधिपति

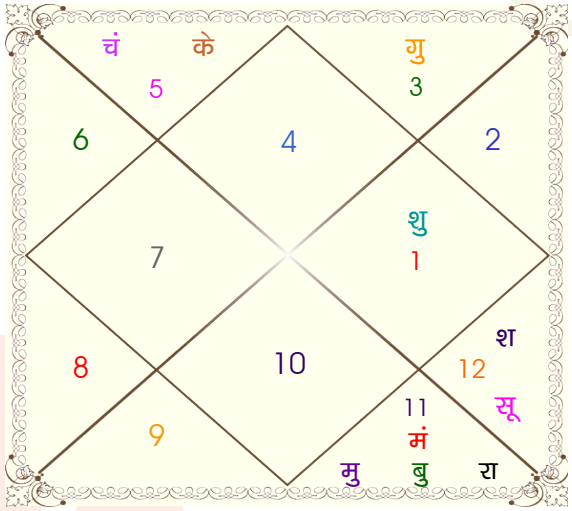

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुप क्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतःआप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

एकादश मास

30/04/2026 05:00:20 से 31/05/2026 07:22:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	01:22:02
सूर्य		मेष	भरणी	15:25:38
चन्द्र		कन्या	चित्रा	25:46:23
मंगल		मीन	रेवती	21:21:53
बुध		मीन	रेवती	29:51:26
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:32:49
शुक्र		वृष	रोहिणी	12:49:35
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:48:16
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:56:19
केतु	व	सिंह	मघा	12:56:19
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	01:04:04

मासाधिपति

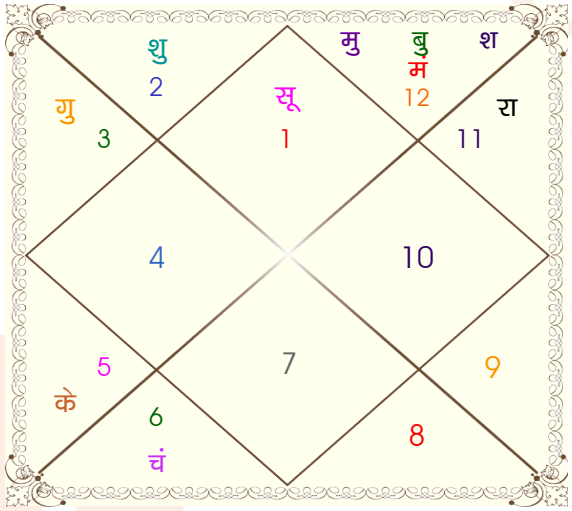

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा।साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वादश मास

31/05/2026 07:22:27 से 01/07/2026 16:55:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	13:53:40
सूर्य		वृष	रोहिणी	15:25:38
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	12:17:37
मंगल		मेष	भरणी	14:50:55
बुध		मिथुन	मृगशिरा	03:19:10
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:39:59
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	20:04:42
शनि		मीन	रेवती	17:56:18
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	09:35:22
केतु	व	सिंह	मघा	09:35:22
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	03:34:04

मासाधिपति

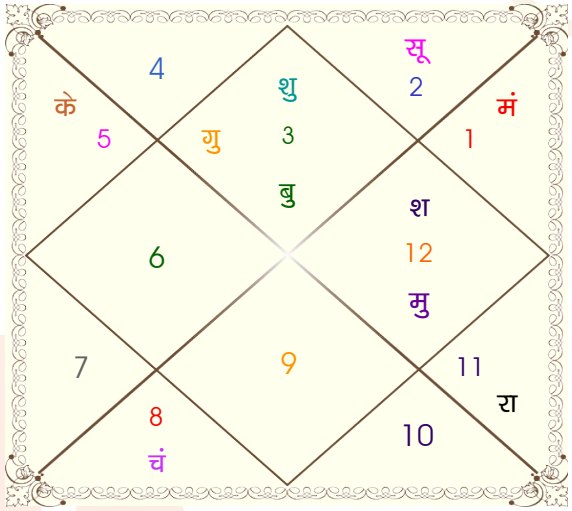

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।साथ ही बन्धु तथा मित्र वर्ग से मधुर तथा घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे।अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को मन से स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक फैलेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में स्त्री तथा पुत्र से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या वस्तुओं को अर्जित कर सकते है। इस प्रकार आप आनन्द पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com